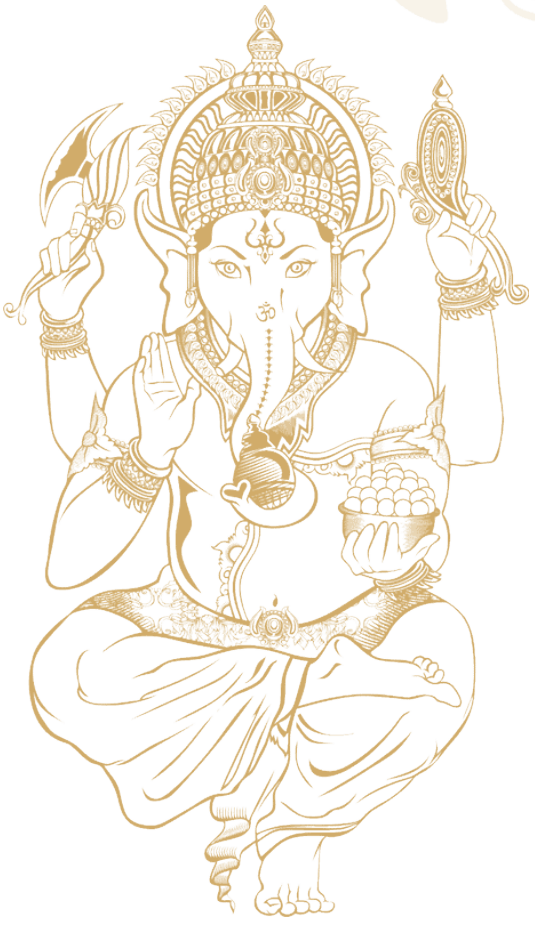

New baby

02 Feb 2026

10:15 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121151403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	07:46:56 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:54:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:41 घंटे
साम्पातिक काल	18:44:19 घंटे
सूर्योदय	07:08:13 घंटे
सूर्यास्त	18:00:03 घंटे
दिनमान	10:51:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:07:00 मकर
लग्न के अंश	21:29:46 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	21:29:46	504:38:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			मक	19:07:00	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	22:42:34	14:02:07	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	स्वराशि
मंगल		अ	मक	13:26:32	00:46:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	27:22:11	01:46:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:00:18	00:06:32	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	25:27:26	01:15:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:32:09	00:05:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:50:11	00:02:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:50:11	00:02:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:16	00:00:06	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:56:59	00:01:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:30:41	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	15:57:50	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

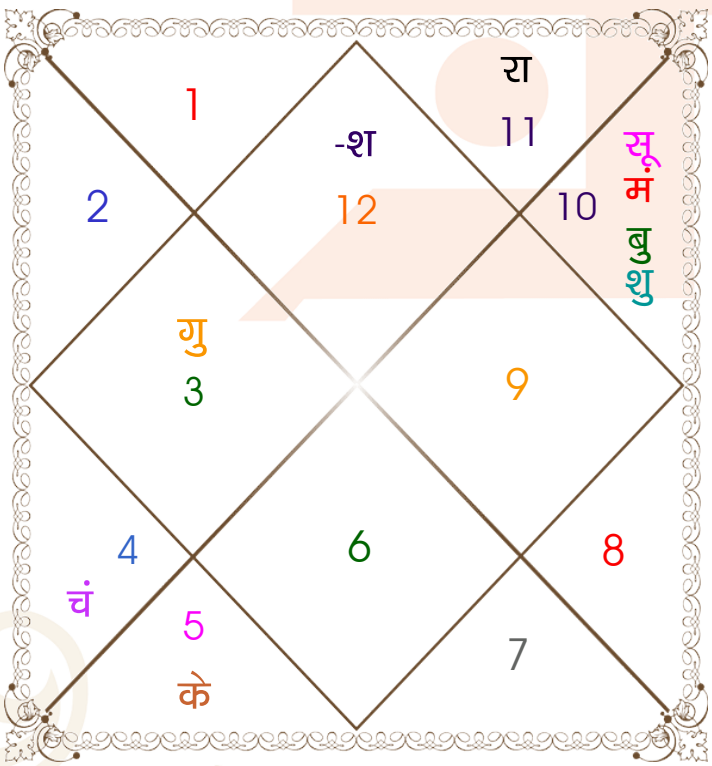

चन्द्र कुंडली

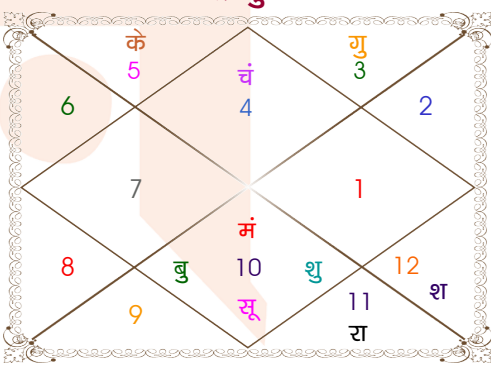

नवमांश कुंडली

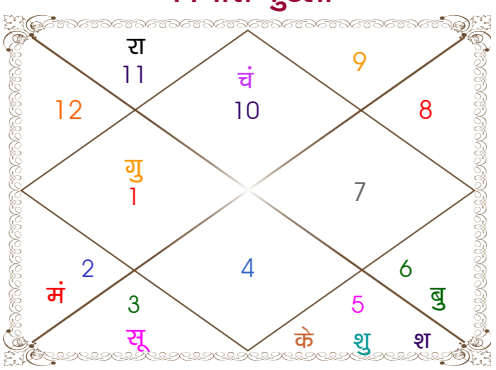

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 3 मास 16 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/02/2026		21/05/2035		21/05/2042		21/05/2062		20/05/2068	
21/05/2035		21/05/2042		21/05/2062		20/05/2068		21/05/2078	
	00/00/0000	केतु	17/10/2035	शुक्र	19/09/2045	सूर्य	07/09/2062	चंद्र	21/03/2069
	00/00/0000	शुक्र	16/12/2036	सूर्य	20/09/2046	चंद्र	09/03/2063	मंगल	20/10/2069
	00/00/0000	सूर्य	23/04/2037	चंद्र	20/05/2048	मंगल	15/07/2063	राहु	21/04/2071
	02/02/2026	चंद्र	22/11/2037	मंगल	20/07/2049	राहु	08/06/2064	गुरु	20/08/2072
चंद्र	19/11/2026	मंगल	20/04/2038	राहु	20/07/2052	गुरु	27/03/2065	शनि	21/03/2074
मंगल	17/11/2027	राहु	09/05/2039	गुरु	21/03/2055	शनि	09/03/2066	बुध	20/08/2075
राहु	05/06/2030	गुरु	14/04/2040	शनि	21/05/2058	बुध	13/01/2067	केतु	20/03/2076
गुरु	10/09/2032	शनि	24/05/2041	बुध	21/03/2061	केतु	21/05/2067	शुक्र	19/11/2077
शनि	21/05/2035	बुध	21/05/2042	केतु	21/05/2062	शुक्र	20/05/2068	सूर्य	21/05/2078

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/05/2078		21/05/2085		22/05/2103		22/05/2119		22/05/2138	
21/05/2085		22/05/2103		22/05/2119		22/05/2138		00/00/0000	
मंगल	17/10/2078	राहु	01/02/2088	गुरु	09/07/2105	शनि	25/05/2122	बुध	17/10/2140
राहु	04/11/2079	गुरु	26/06/2090	शनि	21/01/2108	बुध	01/02/2125	केतु	15/10/2141
गुरु	10/10/2080	शनि	02/05/2093	बुध	27/04/2110	केतु	13/03/2126	शुक्र	15/08/2144
शनि	19/11/2081	बुध	20/11/2095	केतु	03/04/2111	शुक्र	12/05/2129	सूर्य	21/06/2145
बुध	16/11/2082	केतु	07/12/2096	शुक्र	02/12/2113	सूर्य	24/04/2130	चंद्र	03/02/2146
केतु	15/04/2083	शुक्र	08/12/2099	सूर्य	21/09/2114	चंद्र	24/11/2131		00/00/0000
शुक्र	14/06/2084	सूर्य	02/11/2100	चंद्र	21/01/2116	मंगल	02/01/2133		00/00/0000
सूर्य	19/10/2084	चंद्र	04/05/2102	मंगल	26/12/2116	राहु	08/11/2135		00/00/0000
चंद्र	21/05/2085	मंगल	22/05/2103	राहु	22/05/2119	गुरु	22/05/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 4 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।